This question paper contains **2** printed pages]

LLO—482—2024

FACULTY OF HUMANITIES

M.A. (NEP) (First Year) (Second Semester) EXAMINATION

APRIL/MAY, 2024

HINDI

(HHINE-551)

(हिंदी साहित्य और विविध विमर्श)

(Monday, 29-04-2024) **Time : 10.00 a.m. to 1.00 p.m.**

Time—Three Hours *Maximum Marks*—80

N.B. :— (*i*) प्रश्न क्रमांक **1** अनिवार्य है।

(*ii*) प्रश्न क्रमांक **2** से **6** में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखना अनिवार्य है।

(*iii*) दाहिनी ओर प्रश्नों के पूर्णांक दिए गए हैं।

1. टिप्पणियाँ लिखिए (**सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **150-200** शब्दों में लिखिए) : 20

(*i*) किन्नर विमर्श की अवधारणा।

(*ii*) सुभाषचंद्र कुशवाहा का साहित्य।

(*iii*) प्रो. दिनेश चमोला 'शैलेश' का कृतित्व।

(*iv*) नीरजा माधव का व्यक्तित्व।

(*v*) साहित्यकार महेन्द्र भीष्म।

2. बाल विमर्श की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए। 20

3. 'मुठ्ठी में गाँव' कहानी में व्यक्त ग्रामीण जन-जीवन की संवेदना को स्पष्ट कीजिए। 20

P.T.O.

X114Y43D6BDX114Y43D6BDX114Y43D6BDX114Y43D6BD

4. प्रो. दिनेश चमोला 'शैलेश' की पठित कविताओं में व्यक्त बाल मनोविज्ञान को स्पष्ट कीजिए। 20

5. '' 'यमदीप' उपन्यास में किन्नरों को समाज की मुख्यधारा से जोड़कर बुनियादी हक देने का पूरा प्रयास किया है।'' समझाइए। 20

6. कथाकार शिवमूर्ति के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्पष्ट कीजिए। 20

X114Y43D6BDX114Y43D6BDX114Y43D6BDX114Y43D6BD